Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

**Paper Code**
**YS-103**

# पतंजलि विश्वविद्यालय

# University of Patanjali

**Examination December – 2018**
**P.G. Diploma in Yoga Science (Semester : First)**
**Yoga Science (Paper : Third)**
**श्रीमद्भगवद्गीता एवं सांख्यकारिका**

**Time: 3 Hours** **Max. Marks: 75**

**Note: This paper is of seventy five (75) marks divided into three (03) sections A, B, and C. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

**नोट :** यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

## Section - A / खण्ड–क
## (Long Answer Type Questions) /(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

**Note:** Section 'A' contains five (05) long-answer-type questions of fifteen (15) marks each. Attempt any **three** questions. **(3×15=45)**

**नोट :** खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. श्रीमद्भगवद्गीता का सामान्य परिचय देते हुए गीता के अनुसार लोक संग्रह पर प्रकाश डालिए।
2. गीता के अनुसार यज्ञ का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
3. ईश्वर की विभूतियों का विस्तार से वर्णन कीजिए।
4. सांख्याभिमत तत्त्वों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।
5. सांख्यकारिका के अनुसार गुणों का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

## Section - B / खण्ड–ख
## (Short Answer Type Questions) /(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

**Note:** Section 'B' contains Six (06) short-answer-type questions of five (05) marks each. Attempt any **four** (04) questions. **(4×5=20)**

**नोट :** खण्ड 'ख' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. गीता के अनुसार स्थितप्रज्ञता का वर्णन कीजिए।
2. गीता के अनुसार संन्यास की उपादेयता पर प्रकाश डालिए।
3. सांख्य योग एवं कर्मयोग की एकता का वर्णन कीजिए।
4. भक्तियोग पर टिप्पणी लिखिए।
5. सांख्यभिमत सत्कार्यवाद का प्रतिपादन कीजिए।
6. सांख्यकारिका के अनुसार सूक्ष्म शरीर का वर्णन कीजिए।

## Section - C / खण्ड–ग

## (Objective Type Questions) /(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

**Note:** Section 'C' contains ten (10) objective-type questions of one (01) mark each. **All** the questions of this section are compulsory. **(10×01=10)**

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. गीता में अध्याय हैं ?
   (अ) 08 (ब) 18
   (स) 21 (द) 108
2. विभूतियोग नामक अध्याय है ?
   (अ) दशम (ब) अष्टम
   (स) सप्तम (द) प्रथम
3. 'जनार्दन' सम्बोधन किसके लिए प्रयुक्त है ?
   (अ) अर्जुन (ब) संजय
   (स) कृष्ण (द) धृतराष्ट्र
4. श्रीमद्भगवद्गीता के रचयिता हैं ?
   (अ) श्रीकृष्ण (ब) वेदव्यास
   (स) संजय (द) सूरदास
5. सांख्य के प्रवर्तक हैं ?
   (अ) कपिल (ब) गौतम
   (स) ईश्वर कृष्ण (द) पंचशिख
6. तन्मात्राएं कितनी होती हैं ?
   (अ) 03 (ब) 04
   (स) 05 (द) 07
7. 'न प्रकृति न विकृति' अधोलिखित में-से कौन है ?
   (अ) प्रकृति (ब) पुरूष
   (स) महत् (द) पंच महाभूत
8. निश्चय करने वाला तत्त्व है ?
   (अ) महत् (ब) अहंकार
   (स) प्रकृति (द) बुद्धि
9. दुःखों का आत्यन्तिक विनाश किससे होता है ?
   (अ) वैदिक उपाय से (ब) लौकिक उपाय से
   (स) तत्त्वज्ञान से (द) इनमें से किसी से नहीं
10. प्रकाश, प्रवत्ति तथा नियमन् क्रमशः प्रयोजन हैं ?
   (अ) सत्व, तमस् व रजस् के (ब) रजस्, तमस्, व सत्व के
   (स) सत्व, रजस् व तमस् के (द) तमस्, रजस् व सत्व के

----------X----------